# भोपाल में बनेगा सात रेलवे ट्रैक पार करने वाला देश का पहला आरओबी

## मंत्री सारंग ने निशातपुरा कोच फैक्ट्री आरओबी निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

**भोपाल, 3 जनवरी. सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को निशातपुरा कोच फैक्ट्री आरओबी निर्माण स्थल का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता, समय-सीमा और सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन किया जाए.**

मंत्री सारंग ने इंजीनियरों से कहा कि आरओबी के निर्माण में किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि या लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए, इसलिए प्रत्येक चरण की सावधानीपूर्वक निगरानी और परीक्षण सुनिश्चित किया जाए.

मंत्री सारंग ने बताया कि निशातपुरा कोच फैक्ट्री आरओबी देश का पहला ऐसा रेलवे ओवरब्रिज होगा, जो एक साथ 7 रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा. यह आरओबी भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-1 क्षेत्र से प्रारंभ होकर छोला स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर तक पहुंचेगा. परियोजना के निर्बाध क्रियान्वयन के लिये पीडब्ल्यूडी, रेलवे, एफसीआई सहित सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जिससे किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या तकनीकी अड़चन न आए.

मंत्री सारंग ने बताया कि यह रेलवे ओवरब्रिज नवंबर 2026 तक पूर्ण कर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा. इस आरओबी के निर्माण से नए और पुराने भोपाल के बीच छोला एवं करोंद क्षेत्र की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी तथा लगभग 9 लाख नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा. करोंद, बैरसिया, बैरागढ़, विदिशा की ओर से आने-जाने वाले नागरिकों को भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंचना आसान होगा.

मंत्री सारंग ने बताया कि आरओबी के निर्माण के लिये राज्य शासन द्वारा रेलवे को राशि हस्तांतरित कर दी है. इसका निर्माण रेलवे द्वारा कराया जायेगा. निरीक्षण के दौरान भोपाल महापौर मालती राय, रेलवे, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), राजस्व विभाग, एफसीआई, पुलिस सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे.

## नाटक कटोरा का मंचन आज

**भोपाल, 3 जनवरी.** अंतराल थियेटर ग्रुप और रंग आलाप कल्चरल सोसायटी भोपाल के सहयोग से एकल नाटक कटोरा की मंचीय प्रस्तुति रविवार को होगी.यह नाटक उन्नीस वर्षीय संवेदनशील युवक अद्वय की आंतरिक यात्रा को मंच पर उतारता है, जो कविताओं की दुनिया में जीता है और एक पुराने कविता संग्रह से गहरे रूप से जुड़ा है. कविताओं में पढ़ी अनुभूतियां उसके जीवन में घटने लगती हैं और प्रेम के अनुभव उसे आत्ममंथन की ओर ले जाते हैं. आन्या से उसका प्रेम भावनाओं के द्वंद्व में ठहर जाता है और अलगाव के बाद अकेलापन और अवसाद उसे भीतर की यात्रा पर ले जाते हैं. इसी दौरान उसका सामना एक बूढ़े कवि से होता है, जो उसके ही अनुभवों से जन्मा पात्र है. संवादों के माध्यम से नाटक यह संदेश देता है कि प्रेम किसी से मांगने की वस्तु नहीं बल्कि स्वतंत्र करने का भाव है. इस एकल नाट्य प्रस्तुति का लेखन निर्देशन और अभिनय उत्सव हन्डे ने किया है. नाटक का मंचन 4 जनवरी को विद्या नगर स्थित 'ख्याल कलाप्रेमियों का' सभागार में शाम 6 बजकर 30 मिनट पर होगा.

# शिक्षा ही समाज में बदलाव का हथियार

## नाटक में सावित्री बाई फुले के संघर्ष और साहस का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

**भोपाल, 3 जनवरी. शाम के मंच पर जैसे ही संवाद गूंजा कि अगर ज्ञान मिल गया तो गुलामी टूट जाएगी, दर्शक एक पल में उन्नीसवीं सदी के उस दौर में पहुंच गए जब एक स्त्री अकेले समाज से टकरा रही थी. नाटक हां मैं सावित्रीबाई फुले ने शनिवार की शाम सावित्रीबाई फुले के संघर्ष और साहस को जीवंत कर दिया. नाटक की प्रस्तुति दृष्टिमन रंग कला एवं समाज कल्याण समिति द्वारा दृष्टिमन थियेटर में शाम 7 बजे दी गई.**

जिसका निर्देशन रेणुका बरमैया द्वारा किया गया. यह नाटक सावित्रीबाई फुले को केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की मशाल के रूप में स्थापित करता है. प्रस्तुति ने दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर किया कि शिक्षा आज भी समाज को बदलने की सबसे बड़ी ताकत है. नाटक की कथा सावित्रीबाई फुले के जीवन के उन निर्णायक क्षणों को सामने रखती है, जब उन्होंने शिक्षा को हथियार बनाकर सामाजिक कुरीतियों को चुनौती दी. मंच पर दिखाया गया कि किस तरह 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में पहला बालिका विद्यालय खोलने वाली सावित्रीबाई को रोज अपमान, तिरस्कार और हमलों का सामना करना पड़ा. रास्ते में उन पर कीचड़ और गोबर फेंका गया, लेकिन वे रुकी नहीं. नाटक में यह संघर्ष बेहद संवेदनशील और प्रभावशाली ढंग से एकल अभिनय में रेणुका बरमैया ने सावित्रीबाई के दृढ़ निश्चय, पीड़ा और आत्मविश्वास को सशक्त रूप से मंच पर रखा. संवाद अदायगी में कहीं कठोरता थी तो कहीं करुणा, जिससे दर्शक भावनात्मक रूप से जुड़ते चले गए. शिक्षा, स्त्री अधिकार, जातिगत भेदभाव और विधवाओं की पीड़ा जैसे विषय नाटक की आत्मा बने रहे. सुरम्य वानखेड़े द्वारा संगीत संयोजन के तालमेल ने दृश्यों की गंभीरता को और गहरा कर दिया. वहीं नरेश जाटव द्वारा प्रकाश व्यवस्था की सटीकता ने दृश्य का भाव स्पष्ट उभरने बेहतरीन कम किया.

### एक नजर में

## चित्रकार मनीषा के चित्रों की प्रदर्शनी 30 तक

**भोपाल, 3 जनवरी.** मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की 'लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा' में शनिवार से भील जनजातीय चित्रकार मनीषा बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है. 69वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी 30 जनवरी, 2026 (मंगलवार से रविवार) तक निरंतर रहेगी. मनीषा के पिता रमेश बारिया एवं माता कस्सु बारिया भी भीली चित्रकार हैं. प्रख्यात भीली चित्रकार पद्मश्री भूरीबाई रिश्ते में मनीषा की दादी लगती हैं. मनीषा ने ललित कला में स्नातक किया है. उन्हें चित्रकला का शौक बचपन से ही रहा है. युवा चित्रकार मनीषा के चित्रों में जंगली पशु-पक्षी और प्राकृतिक परिवेश विशेषतौर पर दृष्टव्य होते हैं.

## एसजीएसयू की छात्रा जमना ने जीता स्वर्ण

**भोपाल, 3 जनवरी.** स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) भोपाल की बीपीईएस की छात्रा जमना केवट ने एसजीएसयू का प्रतिनिधित्व करते हुए सीनियर स्टेट जूडो चैंपियनशिप 2025-26 में -57 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि जमना केवट की यह उपलब्धि उनके कठोर परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की सफलता पूरे विश्वविद्यालय के लिए प्रेरणास्रोत है. एसजीएसयू के कुलगुरु डॉ विजय सिंह और कुलसचिव डॉ सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देता है और विद्यार्थियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है.

# मप्र लेखक संघ इस वर्ष करेगा दस साहित्यिक आयोजन

**भोपाल, 3 जनवरी. 'मध्यप्रदेश लेखक संघ इस वर्ष दस साहित्यिक आयोजन करेगा.' यह बात संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी ने शनिवार को यहां प्रेस संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कही.**

उन्होंने बताया कि इस कैलेंडर वर्ष में साहित्य की विभिन्न विधाओं पर केन्द्रित आठ गोष्ठियों का आयोजन किया जायेगा, जिनमें वीर रस, हास्य व्यंग्य, गीत, ग़ज़ल, कहानी- लघुकथा, बाल साहित्य एवं लोक भाषाओं पर आधारित गोष्ठियां होंगी. इन गोष्ठियों में प्रतिमाह प्रदेश की 50 इकाइयों से चयनित साहित्यकारों को रचना पाठ के लिए आमंत्रित किया जाता है. वर्ष के अंत में प्रादेशिक साहित्यकार सम्मेलन भोपाल में आयोजित किया जायेगा, जिसमें साहित्य संबंधी 28 साहित्यिक सम्मान प्रदेश के श्रेष्ठ साहित्यिक विभूतियों को प्रदान किये जायेंगे.

उन्होंने बताया कि पिछले रविवार को हुए वार्षिक सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश लेखक संघ की ऑफिसियल वेबसाइट (www.mplekhaksangh.org) का भी लोकार्पण हुआ. इस अवसर पर संघ के संरक्षक डॉ. राम वल्लभ आचार्य एवं प्रादेशिक उपाध्यक्ष ऋषि श्रंगारी ने भी चर्चा में भाग लिया. प्रारंभ में संघ के प्रादेशिक मंत्री मनीष बादल ने उपस्थित पत्रकारों का स्वागत किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन किया.

## नीलबड़ में ऊंटों को सजाकर की पदयात्रा

**भोपाल, 3 जनवरी.** पास्टोरल यूथ एसोसिएशन के तत्वावधान में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय चारागाह एवं पशुपालक वर्ष 2026 के स्वागत में घुमंतू पशुपालकों ने राजधानी भोपाल के नीलबड़ में अपने ऊंटों को सजाकर पदयात्रा की. इस पदयात्रा के माध्यम से लोगों ने यह देखा कि घुमंतू पशुपालक समुदाय के लोग खुले आसमान के नीचे कैसे अपना जीवन जीते हैं. पास्टोरल यूथ एसोसिएशन, जो दक्षिण से उत्तर भारत तक घुमंतू पशुपालक युवाओं का एक राष्ट्रीय संगठन है. इस आयोजन के माध्यम से घुमंतू पशुपालकों के अधिकारों, जीवनशैली, पारंपरिक ज्ञान और नीति मुद्दों को देश-दुनिया के सामने लाने का प्रयास है.

# वीएस अकादमी ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

**भोपाल, 3 जनवरी. अण्डर-12 प्रथम निखिल कुशवाह स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का रेलवे ग्राउण्ड भोपाल में शनिवार को फाइनल मैच वीएस (विश्वास सारंग) क्रिकेट अकादमी एवं रेलवे यूथ क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया.**

इसमें टॉस जीतकर रेलवे यूथ क्रिकेट अकादमी ने पहले बॉलिंग करते हुए 169 रन निर्धारित 30 ओवर में वीएस अकादमी ने बनाए, जिसमें विनम्र ने 45 और मेधांश ने 43 रन बनाये रेलवे यूथ की ओर से मूसा ने 2 विकेट और मान ने 1 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करते हुये रेलवे यूथ क्रिकेट अकादमी ने 22 ओवर में 72 पर ऑलआउट हो गई.

रेलवे से युग ने 27 और रीतम 13 रन बनाये. वीएस क्रिकेट अकादमी से कबीर ने 5 विकेट और हर्षिका और अयांश ने 1-1 विकेट लिए. शानदार बॉलिंग के लिए कबीर को मैन ऑफ़ मैच चुना गया. बेस्ट बैट्समैन रहे रेलवे यूथ के युग सुनिया, बेस्ट बॉलर अर्पित, बेस्ट विकेटकीपर रहे रेलवे के गर्वित राजवीर, मैन ऑफ़ द सीरीज वीएस अकादमी के विनम्र रहे. पुरस्कार वितरण अशोक शर्मा (महामंत्री पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ), सूर्यकांत गुप्ता वार्ड 69 पार्षद, आरके शर्मा और दीपक मालवीय के द्वारा दिया गया.

## मां कंकाली भक्त मंडल ने निकाली चुनरी यात्रा

▶ गुदावल मंदिर में मां कंकाली की अर्पित की चुनरी

**भोपाल, 3 जनवरी.** मां कंकाली भक्त मंडल द्वारा शनिवार को चुनरी यात्रा निकाली गई. यह चुनरी यात्रा सुबह 9 बजे शांति सरोवर स्कूल के पास, सतनामी नगर से प्रारंभ होकर मां कंकाली मंदिर, गुड़ावल पर समाप्त हुई. मंत्री कृष्णा गौर, नवलेश महाराज एवं फिल्म प्रोड्यूसर मंजू गौतम, पार्षद छाया ठाकुर, संतोष ज्वाला मंडल अध्यक्ष उपस्थिति रहीं. इस अवसर पर मां कंकाली को चुनरी अर्पित की गई.

**एलुमनाई मीट** | बीएसएसएस में 25 साल बाद मिले 1999-2000 बैच के विद्यार्थी

# पूर्व विद्यार्थियों ने साझा कीं शरारत भरी यादें

**भोपाल, 3 जनवरी. शहर के भोपाल स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज महाविद्यालय (बीएसएसएस) में एलुमनाई मीट के दौरान वर्ष 1999-2000 बैच के पूर्व छात्रों ने मिलकर जब पुराने किस्सों को साझा किया तो ऐसा लगा मानो स्मृतियां पूरी तरह लौट आई और अतीत वर्तमान में बदल गया.**

कॉलेज में एकत्रित हुए पूर्व छात्रों ने कॉलेज कैंपस का जब भ्रमण किया तो ऐसा लगा मानो बहुत छोटी-छोटी बातों को याद कर अपने जमाने में लौट गए. 25 वर्ष के बाद भी उन्हें कॉलेज की कक्षाओं से बंक कर कुएं पर बैठना, कैंटीन के ब्रेड पकौड़े और गरम चाय की चुस्कियों के साथ कई शरारतें याद आईं. एलुमनाई मीट की आयोजक डा लैला साइमन और जूडी अब्राहम ने पूर्व छात्रों का, तिलक लगाकर स्वागत किया. कॉलेज की डीन एकेडमिक्स फादर जोमी पनीथास और उप प्राचार्य डॉ लीमा जैकब ने स्टोल पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर पूर्व छात्रों को सम्मानित किया.

## स्वस्थ रहने के लिए बुजुर्ग करें प्राणायाम

**भोपाल, 3 जनवरी.** एम्स भोपाल में आगामी 9वें सिद्ध दिवस (6 जनवरी) के पूर्व वृद्धजनों के बेहतर स्वास्थ्य, सक्रिय जीवनशैली एवं समग्र कल्याण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'सिद्ध फॉर जेरियाट्रिक वेलनेस' विषय पर एक जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर (कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें वृद्ध मरीजों एवं उनके देखभालकर्ताओं की सहभागिता रही. कार्यक्रम में सिद्ध चिकित्सा पद्धति, वृद्धावस्था में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं तथा आयुष पद्धतियों की भूमिका पर चर्चा की गई.

# इंसान या मशीन, किसके हाथ भविष्य

▶ फिल्म ह्यूमन्स इन द लूप ने खड़े किए सवाल

नवभारत प्रतिनिधि

**भोपाल, 3 जनवरी. परदे पर जैसे ही वह दृश्य आया, जब एक महिला ट्रेन की भीड़ में खड़ी होकर अपने बच्चों की ओर देखती है और मशीन की आंखें हर चेहरे को आंकने लगती है, दर्शक सन्न रह गए. फिल्म ह्यूमन्स इन द लूप ने शुरू से ही यह सवाल खड़ा कर दिया कि तकनीक हमारे जीवन को चला रही है या हम तकनीक को.**

शनिवार को सिने क्लासिक के बैनर तले नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट द्वारा प्रदर्शित इस सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया. शृंखला की शुरुआत करते हुए एनसीएचएससी के अध्यक्ष डॉ. पी. के. दाश ने कहा कि पर्यावरण, मानव बसाहट और विस्थापन जैसे सामाजिक सरोकारों पर फ़िल्म प्रदर्शन एक नया और महत्वपूर्ण कदम है. यह पहल लोगों को दृश्य माध्यम के ज़रिये न केवल सामाजिक यथार्थ से जोड़ती है, बल्कि पर्यावरण और तकनीक के प्रति अधिक सजग भी बनाती है. फिल्म की कथा एक आदिवासी महिला नेहा के इर्द गिर्द घूमती है, जो तलाक के बाद अपने बच्चों के साथ संघर्षपूर्ण जीवन जीती है. वह डेटा लेबलर के रूप में काम शुरू करती है, जहां उसे हजारों तस्वीरों और वीडियो में चेहरों की पहचान कर मशीन को प्रशिक्षित करना होता है. धीरे-धीरे उसे एहसास होता है कि मशीन लर्निंग के पीछे छिपी मानवीय पक्षपात और संवेदनहीनता समाज के लिए गंभीर खतरा बन सकती है.